

सं. ओ० वि०/एफ०डी०/139-85/40407.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं जी. जी. टैक्सटाईल 22ए. एन. आई.टो. फरीदाबाद, के श्रमिक श्री वासुदेव सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीष्मोगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई जक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-थम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए, अधिसूचना सं. 11495 जो-थम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन पठित थम न्यायालय, करीबावाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से ससंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:-

क्षण श्री वामदेव सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. अ.वि./एफ.डी./139-85/40414.—चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. जी.जी टैक्सटाइल, 22 प., एन.आई.टी., करीदाराद, के श्रमिक श्री शिव शंकर है तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रोवोर्गिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-थम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968, के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं. 11495-जी-थम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित थम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायर्णिय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री शिव शंकर की सेवाओं का समाप्त न्यायोचित तथां ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ओ.वि./एफ.डी./139-85/40421.—वूँकि हरियाणा के राज्यपाल को राय है कि मैं जी.जी. टैक्सटाईल, 22 ए., एन.आई.टी., फरीदाबाद के श्रमिक श्री महेश तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रोवरीगिक विवाद है:

और चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं:

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शब्दियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-थम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-थम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम को धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच यातो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से संसंगत अथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री महेश की सेवाओं का समाप्त व्याप्रेचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का हक्कदार है?

सं. ओ.वि./एफ.डी./139-85/40428. -- वूँकि हरिदामा के राज्यपाल की राय है कि मै. जी.जी. टैक्सटाईल, 22 ए., एन.प्राई.टी., फरीदाबाद, के श्रमिक श्री किशन चन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई शोधेंगिक विवाद है:

और चंकि द्विरियणा के राज्यपाल विवाद को न्यायिक रूप से निर्दिष्ट करना वांछनीय समझ रखे हैं :

इसलिए, अब, श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपवारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से संसंगत अथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री किशन चन्द्र की सेवाओं का समाप्त न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?